मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 82, मुंबई, मंगलवार, 26 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

भाजपा नेता किरीट सोमैया पर हमले का मामला

मुंबई के पूर्व मेयर विश्वनाथ महादेश्वर समेत चार

गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया की कार पर पिछले हफ्ते हुए कथित हमले के सिलसिले में शहर के पूर्व मेयर विश्वनाथ महादेश्वर सहित शिवसेना के चार सदस्यों को सोमवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार का भाजपा पर तंज

राष्ट्रपति शासन सिर्फ

धमकी

पूणे। महाराष्ट्र की सियासत में हनुमान चालीसा को लेकर चल रहे विवाद पर राजनीतीक बयानबाजी में एनसीपी नेता शरद पवार ने भी एंट्री ले ली है। सोमवार को पूणे में उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक भावनाएं दिखाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस दौरान भाजपा और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना पर भी तंज कसा। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता खोने के बाद कुछ लोग चिंतित हो रहे हैं।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक भावनाएं दिखाने की जरूरत नहीं

इससे पहले महाविकास अघाड़ी सरकार के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने भाजपा पर निशाना साधा था। इस दौरान उन्होंने रवि राणा और उनकी पत्नी द्वारा हनुमान चालीसा के पाठ की घोषणा के पूरे प्रकरण को भारतीय जनता पार्टी की चाल बताया था

अरब सागर में पाकिस्तानी नाव को पकड़ने के लिए चलाई गोलियां

280 करोड़ की हेरोइन जब्त, नौ गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

अहमदाबाद। भारतीय तट रक्षक बल और गुजरात एटीएस को अरब सागर से एक पाकिस्तानी नाव को पकड़ने के लिए गोलियां चलाना पड़ी। पाक नाव में सवार नौ लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 280 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की गई है। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

अमीषा पटेल ने 4 लाख रुपये फीस लेकर दी 3 मिनट की प्रस्तुति, धोखाधड़ी का केस दर्ज

कार्यक्रम को देखने के लिए करीब 5 से 7 हजार दर्शक जुटे थे। वहीं इस मामले पर एक्ट्रेस ने अपने ट्वीट में लिखा कि मुझे अपने जीवन को लेकर डर था मैं स्थानीय पुलिस को धन्यवाद देना चाहती हूं, जन्होंने मेरी ठीक तरह से सुरक्षा की। अमीषा ने खराब इंतजाम के चलते कार्यक्रम छोड़ने की बात लिखी है

इंदौर। बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल शनिवार को खंडवा जिले में मां नवचंडी देवीधाम के आयोजन में पहुंचीं थीं। कार्यक्रम में एक घंटे की प्रस्तुति देने के लिए अमीषा पटेल ने करीब 4 लाख रुपये फीस ली थी। लेकिन अमीषा कार्यक्रम में सिर्फ 3 मिनट की प्रस्तुति देकर ही इंदौर के लिए रवाना हो गईं। एक्ट्रेस के इस व्यवहार की शहर के समाजसेवी विरोध कर रहे हैं।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कोरोना से जंग जारी

इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना वैक्सीन ने महामारी की रोकथाम की दिशा में बेहतर काम किया है। दुनिया के 5.12 अरब लोगों मतलब 66.7 प्रतिशत आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है। दुनिया के 60 प्रतिशत लोगों का पूरी तरह से टीकाकरण हो चुका है और 24 प्रतिशत लोग बूस्टर डोज प्राप्त कर चुके हैं। यह भी अपने आप में रोचक है कि दुनिया में सबसे अव्वल संयुक्त अरब अमीरात में 99 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, जबकि बुरुंडी और कोंगो जैसे देशों में एक प्रतिशत लोग भी पूरी तरह से टीकाधारी नहीं हुए हैं। भारत में 62 प्रतिशत लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है और लगभग दो प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक वाले होने वाले हैं। भारत में इन दिनों एक ओर, कोरोना के बढ़ते मामलों की चर्चा है, वहीं दूसरी ओर, पांच साल से 11 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन देने की तैयारी भी चल रही है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ पैनल ने 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की सिफारिश कर दी है। हैदराबाद स्थित फर्म बायोलॉजिकल-ई द्वारा विकसित कॉर्बेवैक्स कोविड-19 के खिलाफ भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। गौर करने की बात है कि इस साल 16 मार्च से 12 से 14 साल के बच्चों को कॉर्बेवैक्स ही दिया जा रहा है। वैसे बच्चों के टीकाकरण में अमेरिका आगे चल रहा है। वहां बीते दिसंबर में ही पांच से ज्यादा उम्र के बच्चों का टीकाकरण शुरू हो गया था और जून महीने के बाद पांच साल से कम उम्र के बच्चों को भी टीका मिलने लगेगा। ब्रिटेन में पांच साल से ज्यादा उम्र के उन्हीं बच्चों को टीका लग रहा है, जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं। भारत में बच्चों को टीका लगाना जरूरी हो गया है, क्योंकि स्कूल खुल चुके हैं और उनका टीकाकरण व्यापक रूप से जरूरी हो गया है। पिछले सप्ताह में कोरोना मामलों में वृद्धि हुई है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलावा अनेक इलाकों में मास्क की वापसी हो गई है। संक्रमण की इस नई वापसी को लेकर चिंता बनी हुई है। अभी एशिया और यूरोप के कई देशों में कोरोना की चौथी लहर ने तनाव पैदा कर रखा है। इस बार कोरोना के ओमीक्रोन बीए1, बीए2 और एक्सई वेरिएंट्स के मामले ज्यादा हैं। मरीजों की स्थिति ज्यादा बिगड़ नहीं रही है, लेकिन संक्रमण की क्षमता बहुत ज्यादा है। संक्रमण तेजी से फैल रहा है, नतीजा यह है कि चीन ने अपने अनेक शहरों में लोगों को खिड़की खोलने से भी मना कर रखा है। कोरोना को कतई हल्के से नहीं लेना चाहिए। दुनिया में अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने वाला चीन भी आश्वस्त नहीं है, उसे 3.32 अरब खुराक के इस्तेमाल के बावजूद बेहद कड़े लॉकडाउन की जरूरत पड़ गई है, तो संक्रमण के खतरे को समझा जा सकता है। अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। 1.87 अरब खुराक देने वाले भारत को कतई आश्वस्त नहीं होना चाहिए। कोरोना विचित्र बीमारी है, वैज्ञानिक अभी भी इसे पूरी तरह पहचान नहीं पा रहे हैं। इंग्लैंड में एक व्यक्ति 505 दिनों तक कोरोना पॉजिटिव रहने के बाद दुनिया से गया है। यह कैसी महामारी है, लोगों को अलग-अलग शिकंजे में जकड़ रही है। अतः इस जंग को अभी खत्म न मानते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान, दवा व वैक्सीन विकास पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

क्या ऐसे सुधरेंगे न्यूज चैनल?

ध्यान रहे मीडिया की स्वतंत्रता व स्वायत्तता को हर कीमत पर बचाने के लिए प्रतिबद्ध लोग स्व नियमन की बात करते रहे हैं। लेकिन भारत का टेलीविजन मीडिया स्व नियमन से ठीक होने वाला नहीं है। उनकी बीमारी लाइलाज हो गई है। क्या पता सरकार के डंडे से कुछ ठीक हो!

सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने देश के तमाम निजी न्यूज चैनलों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। सामान्य स्थितियों में इस बात का समर्थन नहीं किया जा सकता है कि सरकारें मीडिया के लिए निर्देश जारी करें। लेकिन जिन दो मामलों- जहांगीरपुरी हिंसा और रूस-यूक्रेन युद्ध की कवरेज को लेकर सरकार ने निर्देश जारी किया है उसे देखते हुए सरकार के इस कदम का समर्थन करना चाहिए। हालांकि यह अधूरा और देर से उठाया गया कदम है, इसका दूरगामी असर मीडिया आजादी पर हो सकता है और अगर यह परंपरा बनी तो मीडिया की स्वायत्तता भी खतरे में आएगी। लेकिन भारत के न्यूज चैनल किसी भी मसले को जिस तरह से कवर कर रहे हैं उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि खबर के इस माध्यम का जितना पतन हो चुका है, अब उससे बुरा नहीं हो सकता है। स्व नियमन से यह मीडिया कतई ठिक नहीं हो सकता है।

सरकार ने जिस भाषा में एडवाइजरी जारी की है वह अपने आप में न्यूज चैनलों की हकीकत बताने वाली है। सूचना व प्रसारण मंत्रालय की एडवाइजरी में लिखा गया है कि न्यूज चैनलों की कवरेज 'अप्रमाणिक, भ्रामक व सनसनीखेज है, जिनमें सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जो शालीनता को ठेस पहुंचाने वाली है, अश्लील और अपमानजनक है और सांप्रदायिक भी है'। इसमें आगे कहा गया है चैनलों ने 'भड़काऊ हेडलाइंस और हिंसा के वीडियो दिखाए, जिनसे सांप्रदायिक सद्भाव और शांति भंग हो सकती है'। सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में इन दो घटनाओं की मीडिया कवरेज के बारे में यह भी कहा गया है कि ये 'शर्मनाक' हैं और इनमें 'संदिग्ध सीसीटीवी फुटेज' का इस्तेमाल हुआ है, जिससे जांच प्रभावित हो सकती है। सरकार ने न्यूज चैनलों पर न सिर्फ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने और शांति भंग करने का आरोप लगाया है, बल्कि मित्र देशों के साथ संबंधों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करने का आरोप लगाया है। सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने इन दो घटनाओं की कवरेज को लेकर जारी एडवाइजरी में जो कुछ कहा है कि वह भारत के न्यूज चैनलों की वह सचाई है, जिसकी ओर समझदार लोग बरसों से इशारा कर रहे थे। लेकिन पहले इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। सरकार और सत्तारूढ़ दल को इससे राजनीतिक फायदा मिल रहा था क्योंकि चैनलों की कवरेज सत्तारूढ़ दल की राजनीतिक लाइन पर होती थी। उनका एक सूत्री काम विपक्ष से सवाल पूछना और सरकार के हर कदम का समर्थन करना था। जिस फैसले या घटना को सरकार या सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता भी सही नहीं मानते थे उसे भी न्यूज चैनलों में बैठे एंकर और रिपोर्टर न्यायसंगत ठहरा रहे थे। लखीमपुर खीरी में किसानों को कुचले जाने की घटना इसकी मिसाल है, जब भाजपा के नेता इस पर टिप्पणी करने से बच रहे थे तब चैनलों के एंकर ग्राफिक्स बना कर बता रहे थे कि कैसे मंत्री पुत्र की गाड़ी ने किसानों को नहीं कुचला था, बल्कि मंत्री पुत्र खुद किसानों से जान बचा कर भागा था। इस तरह की कई घटनाएं हैं, जिनकी कवरेज में न्यूज चैनलों ने सारी हदें पार कीं। चैनलों ने लोगों की निजता में दखल दिया, घटनाओं को सांप्रदायिक रंग दिया, सरकार विरोधी लोगों की विच हंटिंग की, आरोपियों का मीडिया ट्रायल किया, अप्रमाणिक वीडियो दिखा कर विपक्ष के नेताओं को बदनाम किया और सरकार के फैसले का बचाव किया, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाली झूठी खबरें दिखाईं, देश के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए स्टूडियोज में नौटंकियां सजाईं, मित्र व शत्रु देश की पहचान किए बगैर अंतरराष्ट्रीय व कूटनीतिक घटनाक्रमों को ऐसे पेश किया, जिससे देश का नुकसान हुआ, पीड़ितों के साथ ऐसा बरताव किया, जो सामान्य संवेदनशीलता की सीमाओं से परे था, पुलिस व प्रशासन की ज्यादतियों पर तालियां बजाईं, नागरिकों की मुश्किलों का मजाक उड़ाया और पत्रकारिता के बुनियादी उसूलों की धज्जियां उड़ाईं। चैनलों ने न्यूज कवरेज को तमाशे में बदल दिया। स्टूडियो में बैठे एंकर मदारी बन गए और फील्ड के रिपोर्टर उछल-कूद करने वाले जमूरों में तब्दील हो गए। दृश्य मीडिया का पूरा चरित्र ऐसा बाजारू और घटिया हो गया, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। न्यूज चैनलों का मजाक उड़ाने वाली 'पिपली लाइव' जैसी फिल्म बन गई, लेकिन भारतीय न्यूज चैनलों को शर्म नहीं आई। ध्यान रहे भारत में मीडिया का बहुत गौरवशाली इतिहास रहा है। नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और सामाजिक-सामुदायिक सद्भाव की रक्षा के लिए जीवन होम करने वाले पत्रकार इस देश में हुए हैं। महात्मा गांधी से लेकर सरदार भगत सिंह तक सैकड़ों-हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने अखबार निकाल कर या परचे-पैम्फलेट छपवा कर देश के नागरिकों को जागरूक किया था और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। आजादी के बाद भी भारत में पत्रकारिता की एक समृद्ध परंपरा रही। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि पत्रकारिता का कोई इतिहास या परंपरा नहीं रही इसलिए भारत का दृश्य मीडिया इस तरह बेलगाम, बिकाऊ या बाजारू हो गया। सत्ता के संरक्षण, वैचारिक प्रदूषण और कॉरपोरेट पूंजी की वजह से भारतीय मीडिया का यह स्वरूप बना है। इसमें एंकर व रिपोर्टर बनने के लिए अपढ़-कुपढ़ होना, बदतमीज होना, बेशर्म व झगड़ालू होना मुख्य अर्हता बन गई और पढ़ा-लिखा व समझदार होना अयोग्यता बन गई।

सो, अंत में यह समय आना ही था, जब सरकार की भी तंद्रा टूटती। देर से ही सही लेकिन उसे समझ आया है कि न्यूज चैनल भस्मासुर बनते जा रहे हैं। वे न सिर्फ देश के अंदर सद्भाव व शांति भंग कर रहे हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सरकार की छवि बिगाड़ रहे हैं और देश का नुकसान कर रहे हैं। लंबे समय तक यह उम्मीद की जाती रही मीडिया के अंदर से ही इसे ठीक करने का प्रयास होगा और देर-सबेर यह ठीक भी हो जाएगा। जैसे थोड़े समय पहले तक टीआरपी के लिए न्यूज चैनल सारे दिन 'काल, कपाल महाकाल' शो दिखाते थे या थ्री सी यानी सिनेमा, क्रिकेट और क्राइम की खबरें दिखाया करते थे। उसके जरिए भी वे समाज को गुमराह कर रहे थे और पिछड़ा बना रहे थे लेकिन अंततः चैनलों ने उसे छोड़ा। उसी तरह उम्मीद की जा रही थी कि न्यूज चैनलों की पत्रकारिता का मौजूदा दौर भी गुजर जाएगा। पर अब ऐसा लग रहा है कि यह दौर आसानी से नहीं गुजरने वाला है। ध्यान रहे मीडिया की स्वतंत्रता व स्वायत्तता को हर कीमत पर बचाने के लिए प्रतिबद्ध लोग स्व नियमन की बात करते रहे हैं। लेकिन भारत का टेलीविजन मीडिया स्व नियमन से ठीक होने वाला नहीं है। उनकी बीमारी लाइलाज हो गई है। क्या पता सरकार के डंडे से कुछ ठीक हो!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई में पार्किंग विवाद को लेकर ऑटो रिक्शा चालक की चाकू मारकर हत्या

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के उपनगरीय गोवंडी में पार्किंग के मुद्दे पर बहस के बाद एक ऑटो रिक्शा चालक की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने रविवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सलीम बेग (30) के रूप में हुई है, जिसकी शनिवार को हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि शाकिर महबूब शेख उर्फ खत्री (29), सद्दाम फिरदौस

इसरार खान उर्फ बेल, सिद्धांत प्रकाश घाडगे (22) और सादिक मुल्ला (25) इस अपराध में शामिल थे। अधिकारी के अनुसार, वाहन पार्क करने को लेकर आरोपियों और सलीम के बीच हाल ही में तीखी बहस हुई थी। इससे गुस्साए आरोपियों ने सलीम को मारने की योजना बनाई और चाकू से उसकी हत्या कर दी। अधिकारी के मुताबिक, आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या), 120-बी (साजिश) व 34 (सामान्य इरादा) के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर द्वेष, नफरत फैलाने वाली या गलत खबर प्रकाशित को रोकने के लिए एडवोकेट अब्दुल्ला पठान द्वारा दिया गया पत्र

एडवोकेट अब्दुल्लाह पठान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जिस तरह से देश और दुनिया में हालात चल रहे हैं और ऐसे में मीडिया ही ऐसा विकल्प है जिससे देश और दुनिया की हालत के बारे में जानकारी मीडिया द्वारा लोगों तक पहुंचाई जा रही है परंतु कुछ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया समाज में नफरत फैलाने वाली गलत खबरों को जनता के सामने प्रकाशित कर रहे हैं इससे कानून व्यवस्था बिगड़ने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया पर दिखाई जा रही है गलत खबरों और नफरत फैलाने वाली जैसी खबरों को रोकने के लिए एडवोकेट अब्दुल्लाह पठान द्वारा राष्ट्रपति जी को पत्र दिया है उन्होंने पत्र मे बताया है आज का जमाना डिजिटल टेक्नोलॉजी का जमाना है लोग एक दूसरे से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए से जुड़े हैं इस पर कोई भी बात कोई भी न्यूज कुछ ही समय में देश और दुनिया में वायरल हो जाती है आज के दौर में सोशल मीडिया इतना आसान हो गया है कि जो चाहे मोबाइल के जरिए कुछ ही मिंटू में मीडिया कर्मी बन जाता है और हर जगह अपने आप को पत्रकार बता कर लोगों से उनकी बात रखने का या कोई जानकारी पोस्ट करने का काम कम से कम फीस वसूल कर किया जा रहा है जिससे कई बार ऐसा होता है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया पर गलत खबरें दिखाए जाने पर शहर का माहौल खराब होने का अंदेशा पैदा हो जाता है कानून अवस्था भंग होने के कारण बन जाते हैं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए समाज में नफरत फैलाने वाली खबरों को रोकने के लिए जो उचित कदम अब तक उठाए गए हैं वह काफी नहीं है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सोशल मीडिया समाज में द्वेष फैलाने वाली गलत खबरो को प्रकाशित करके जनता के सामने पेश कर रही है ऐसी तमाम गलत खबरों को रोकने के लिए जिनको अधिकार दिया हुआ है इन चीजों को रोक नहीं पा रहे है एडवोकेट अब्दुल्लाह पठान ने राष्ट्रपति जी से निवेदन किया है कि वह जरूरी ऑर्डर पास करें ताकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सोशल मीडिया समाज में द्वेष पैदा करने वाली समाज को बांटने वाली नफरत फैलाने वाली जो खबरें उनके द्वारा प्रकाशित की जा रही है उन खबरों को रोकने के लिए कृपया जल्द से जल्द ऑर्डर पास करें यह पत्र एडवोकेट अब्दुल्लाह पठान द्वारा 20/4/ 2022 को दिया गया उनके द्वारा दिए गए इस पत्र पर सुनवाई करते हुए दिनांक 21/4/ 2022 मैं मिले जवाब में बताया गया आपके द्वारा भेजी गई शिकायत को इलेक्ट्रॉनिक और प्रसारण मंत्रालय में भेज दिया गया है और बहुत ही जल्दी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया पर गलत खबरें दिखाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी दिनांक 23/4/ 2022 को इलेक्ट्रॉनिक और प्रसारण मंत्रालय द्वारा तमाम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए एडवाइजरी जारी कर दिया है। (एडवाइजरी का मतलब (१) उदाहरण के तौर पर जिस तरह से रशिया और यूक्रेन में काफी समय से चल रहे युद्ध की गलत तस्वीरें गलत खबरें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रकाशित कर जनता को दिखाई गई है (२) दूसरा उदाहरण हाल ही में उत्तर पश्चिम दिल्ली में हुए दंगे को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से गलत तरीके से दशार्या गया था।

सांसद नवनीत राणा मुंबई की भायखला जेल में बंद और उनके पति तलोजा जेल भेजे गए

मुंबई। मुंबई पुलिस ने सांसद नवनीत राणा को यहां की भायखला महिला जेल में स्थानांतरित किया है, वहीं उनके पति एवं विधायक रवि राणा को नवी मुंबई के तलोजा जेल ले जाया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। राणा दंपत्ति को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कही थी, जिससे शिवसेना के कार्यकर्ता बेहद आक्रोशित हो गए थे और उन्होंने राणा के आवास के आगे विरोध प्रदर्शन किया था। मुंबई पुलिस ने राणा दंपत्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और बाद में उसमें राजद्रोह का आरोप भी जोड़ दिया। रविवार को मुंबई की एक अदालत ने राणा दंपति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

इसके बाद रविवार देर रात अमरावती से सांसद नवनीत राणा को भायखला महिला कारावास ले जाया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि उनके पति एवं अमरावती के बडनेरा से विधायक रवि राणा को पहले यहां के ऑर्थर रोड जेल ले जाया गया था लेकिन वहां जगह नहीं होने के कारण उन्हें नवी मुंबई की तलोजा जेल ले जाया गया। राणा दंपत्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा- 153 ए (अलग-अलग समुदायों के बीच धर्म, भाषा आदि के नाम पर विद्वेष उत्पन्न करना),धारा 34(सामान्य इरादे) और मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा-135 (पुलिस द्वारा लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने) का मामला दर्ज किया गया। बाद में इसमें 124-ए (राजद्रोह) की धारा भी जोड़ी गयी है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई के पूर्व मेयर विश्वनाथ महादेश्वर समेत चार गिरफ्तार

खार थाना के अधिकारी के मुताबिक महादेश्वर के अलावा शिवसेना के पूर्व पार्षद हाजी हलीम खान और पार्टी कार्यकर्ता दिनेश कुणाल को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि उन लोगों पर बलवा करने का आरोप लगाया गया है, क्योंकि उन्होंने सोमैया की कार पर कथित रूप से पत्थर फेंके थे। अधिकारी ने बताया कि निर्दलीय लोकसभा सदस्य नवनीत राणा और उनके विधायक-पति रवि राणा द्वारा उपनगरीय बांद्रा में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान किए जाने के बीच पिछले शनिवार को भाजपा नेता की कार पर कथित रूप से हमला किया गया था। बाद में राणा दंपति ने अपना आह्वान वापस ले लिया था और उन्हें पुलिस ने उसी दिन गिरफ्तार कर लिया था। महादेश्वर ने कहा, पूर्व पार्षद हलीम और कुणाल सहित हम चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन हमें नहीं पता कि भादंसं की किन धाराओं के तहत हमें गिरफ्तार किया गया है और क्या वे जमानती हैं या गैर-जमानती। हम (खार) थाने में हैं।

शरद पवार का भाजपा पर तंज

शरद पवार ने कहा कि यह अच्छी बात है कि राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर सोमवार को सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला किया। धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर अगर बैठक में कुछ अच्छा निकलता है तो उन्हें बहुत खुशी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पहले राजनीतिक विरोधियों के बीच दोस्ती का जज्बा हुआ करता था, लेकिन अब 'अवांछनीय बातें' देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर समुदायों या वर्गों के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश की जाती है, तो समाज में प्रतिकूल प्रभाव देखा जाएगा। महाराष्ट्र ने कभी इस तरह की स्थिति का अनुभव नहीं किया। हाल ही में, ऐसी चीजें हो रही हैं। कुछ विपक्षी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर कि महाराष्ट्र में राज्य में राष्ट्रपति शासन की आवश्यकता है, पवार ने कहा कि यह सच है कि सत्ता से बाहर होने के बाद कुछ लोग चिंतित हो जाते हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा कि सत्ता आती है और जाती है, और चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यहां तंज कसते हुए कहा कि राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी हमेशा दी जाती है, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकलता। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में हुए कोल्हापुर उपचुनाव के परिणाम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव की स्थिति बनती है, तो हाल ही में कोल्हापुर उपचुनाव के परिणाम ने दिखाया है कि किस तरह का परिणाम होगा। इससे पहले महाविकास अघाड़ी सरकार के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने भाजपा पर निशाना साधा था।

पाकिस्तानी नाव को पकड़ने के लिए चलाई गोलियां

तटरक्षक बल के गश्ती जहाजों ने पाकिस्तान बोट 'अल हज' को भारतीय समुद्री क्षेत्र से पकड़ा गया। मछली पकड़ने की पाकिस्तानी नाव तेज रफ्तार से भागने का प्रयास कर रही थी। इस दौरान भारतीय तटरक्षक बल की नौका से उसका पीछा किया गया। उसे रोकने के लिए भारतीय दल को गोलियां चलाना पड़ीं। इस कार्रवाई में नौका के चालक दल का एक सदस्य घायल हो गया व दो अन्य मामूली जख्मी हुए। इसके तत्काल बाद इलाके में मौजूद तटरक्षक बल के पोत अंकित को को उसे खींचकर लाने के लिए मौके पर भेजा गया। पाक नौका आज दोपहर तीन बजे जाखू बंदरगाह पहुंचेगी। आईसीजी के अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी नाव 'अल हज' ने नौ लोगों के साथ रविवार देर रात भारतीय समुद्री सीमा में प्रवेश किया था। वह भारतीय क्षेत्र में हेरोइन के पैकेट फेंकने का प्रयास कर रही थी। पुख्ता खुफिया जानकारी के बाद तटरक्षक बल के पोत के साथ गुजरात एटीएस के दो अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। इसी दौरान पाक नाव को ये पैकेट फेंकते वक्त पकड़ लिया गया। गुजरात में इससे पहले भी पाकिस्तानी नावों से मादक पदार्थों की जब्ती की जा चुकी है।

अमीषा ने 4 लाख रुपये फीस लेकर दी 3 मिनट की प्रस्तुति

रविवार को अमीषा के खिलाफ सिटी कोतवाली में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया है। कार्यक्रम को देखने के लिए करीब 5 से 7 हजार दर्शक जुटे थे। वहीं इस मामले पर एक्ट्रेस ने अपने ट्वीट में लिखा कि मुझे अपने जीवन को लेकर डर था मैं स्थानीय पुलिस को धन्यवाद देना चाहती हूं, जन्होंने मेरी ठीक तरह से सुरक्षा की। अमीषा ने खराब इंतजाम के चलते कार्यक्रम छोड़ने की बात लिखी है। इस मामले में मोघट थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान का कहना है कि फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल के आयोजन वाले दिन मैं भी वहां पर था। लोगों की भीड़ जरूर थी लेकिन किसी तरह की अभद्रता नहीं हुई। किसी अन्य तरह की आशंका को लेकर मौके पर कोई जानकारी नहीं लगी।

● वरली मुंबई जया फाउन्डेशन सामाजिक संस्था वरली के द्वारा फाउन्डेशन की अध्यक्षा श्रीमती जया छेडा के मार्गनुसार वरली पुलिस स्टेशन में पुलिस स्टॉफ के लिए निशुल्क शिविर का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। और निशुल्क दवाई का भी वितरण किया गया। शिविर में आए सीनियर सर जी और आए हुए सभी का बहुत आभार जिन्होने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। फाउन्डेशन की सचिव सौ. सुमन त्रिपाठी. श्रीमतीनंदा, श्रीमती विमला, श्री ताना, श्रीकमलेश और सुनील ने सभी का आभार व्यक्त किया। पोद्दार हास्पिटल के डाक्टरो और आयुर्वेद जंक्शन के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ।

माननीय डॉ अर्चना देशमुख के नेतृत्व में विश्व पृथ्वी दिवस पर मलाड वेस्ट से दरियादिल ग्रुप ने वर्सोवा बीच पर जाकर बीच की सफाई की।

सादिया खानम ने रखा पहला रोजा

अकोला। रमजान के पवित्र माह में जहां छोटे-बड़े बुजुर्ग और महिलाएं रोजा रखकर खुदा की इबादत कर रहे हैं। ऐसे में मासूम बच्चे भी जब उन्हें देखते हैं तो उनसे प्रेरित हो ही जाते हैं। जिलें में बड़ी संख्या में बच्चे भी इस बरकत के महीने में इबादत कर रहे हैं। खासकर ऐसे बच्चे अधिक उत्साहित हैं जो अपने जीवन में पहली बार रोजा रख रहे हैं। अकोला की सादिया खानम सुल्तान पठान ने तपती धूप की परवाह किए बिना अल्लाह और उसके रसूल की रजा हासिल करने के लिए भूख और प्यास की शिद्दत बर्दाश्त कर पहला रोजा रखा। सादिया खानम ने इस भीषण गर्मी में रोजा रखकर ये साबित कर दिया कि अगर हम सच्चे दिल से खुदा की इबादत करना चाहे तो उम्र कोई मायने नही रखती। सादिया खानम के पिता ने बताया कि सादिया अपने परिवार की दीनी बातों से प्रभावित हैं। सादिया ने पहला रोजा करीब साढ़े 14 घंटों का रखकर खुदा की इबादत की। देर शाम उसने परिवार के सदस्यों के साथ रोजा इफ्तारी की।

क्रूजर जीप और ट्रक की टक्कर में 7 की मौत और 10 लोग घायल

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के अंबाजोगाई -लातुर महामार्ग पर शनिवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है, इसलिए मरने वालों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मरने वालों में पांच महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। ताजा जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना शनिवार दोपहर बर्दापुर, नंदगोपाल डेयरी इलाके में हुई है। यहां एक ट्रक ओर क्रुजर जीप की आमने-सामने भिंडत हुई है। दुर्घटना इतनी भीषण थी की क्रूजर जीप में सवार सात लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जीप के परखच्चे उड़ गए और उसमें फंसे शवों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला जा सका। बीड पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना का शिकार हुई क्रूजर जीप से एक परिवार अंबाजोगाई तहसिल के राडी गांव में रिश्तेदार के फंक्शन में जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक (आरजे 11 जीए 9210) से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुचकर घायलों को अंबाजोगाई के शासकीय अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल करवाया है। आगे की जांच अंबाजोगाई पुलिस कर रहै है।

मरने वालों और घायलों में यह शामिल

इस दर्दनाक दुर्घटना में निर्मला सोमवंशी (38), स्वाती बोडके (34), शंकुतला सोमवंशी (35), चित्रा शिंदे (32),सोजरबाई कदम (34), खंडु रोहीले सहीत सात जन की मौके पर ही मौत हुई है। जबकी सोनाली सोमवंशी (23), राजमती सोमवंशी (48), रंजना माने (32), परिमला सोमवंशी (65), दत्तात्रय पवार (40), शिवाजी पवार (44), यश बोडके (8), श्रुतिका पवार (6), गुलाबराव सोमवंशी (52), कमल जाधव समेत 10 लोग घायल हुए हैं।

महाराष्ट्र में लोडशेडिंग शुरू! गहराया बिजली संकट, अडानी पावर ने बंद की सप्लाई

मुंबई। राज्य में लोडशेडिंग को अब तक स्वीकार नहीं करने वाली महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी ने गुरुवार को स्वीकार किया कि राज्य के कुछ हिस्सों में लोडशेडिंग शुरू है, क्योंकि राज्य 1400 से 1500 मेगावाट बिजली की कमी से जूझ रहा है। लोडशेडिंग उन इलाकों में ज्यादा किया जा रहा है, जहां से बिजली के बिलों का बकाया राशि ज्यादा है। राज्य के ऊर्जा मंत्री डॉ. नितिन राउत का कहना है कि लोडशेडिंग कब तक चलेगी, इस बारे में कुछ भी कहा नहीं जा सकता। ऊर्जा मंत्री राउत ने आम लोगों से सावधानी से बिजली का उपयोग करते हुए सहयोग की अपील की है। राज्य में बिजली संकट को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. राउत ने कहा कि पूरे देश में बिजली का संकट गहराता जा रहा है। इसका असर महाराष्ट्र पर भी हो रहा है। कोयले की कमी और खुले बाजार में बिजली उपलब्ध नहीं होने की वजह से लोडशेडिंग शुरू करना पड़ रहा है। ऊर्जा मंत्री राउत से जब पूछा गया कि कौन से इलाकों में लोडशेडिंग की जा रही है? उस पर उन्होंने कहा कि जहां बिजली बिल की रिकवरी नहीं हो रही है और जहां बिजली चोरी के मामले अधिक हैं, ऐसे इलाकों में लोडशेडिंग की जा रही है।

औरंगाबाद में मॉब लिंचिंग

चोरी के संदेह में एक शख्स को डंडे से तब तक पीटा, जब तक नहीं हुई उसकी मौत, अब तक 7 लोग गिरफ्तार

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में कुछ लोगों ने एक शख्स को चोरी के संदेह में पकड़ा और उसकी लात-घूसों और डंडों से बुरी तरह से पिटाई कर दी। उसे इतना मारा कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अमानवीय तरीके से की गई पिटाई और हत्या की इस वारदात का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शुक्रवार सुबह तक 7 लोगों को अरेस्ट कर लिया है। अभी भी एक आरोपी फरार चल रहा है। औरंगाबाद पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मनोज शेषराव आव्हाड के रूप में हुई है।

वह औरंगाबाद के विवेकानंद नगर स्थित मेन गावरे हॉल में चौकीदार का काम करता था। 20 अप्रैल को आरोपी ने उसे सोसाइटी की फोकस लाइट चुराने के आरोप में पकड़ा और बुरी तरह से पिटाई शुरू कर दी। मरने वाला शख्स अपनी पत्नी और बच्चे के साथ हॉल के एक कमरे में रह रहा था। आरोप है कि मनोज को हॉल में ले जाकर फोकस लाइट की चोरी के बारे में पूछताछ की गई। इसके बाद सतीश खरे, सागर खरात, आनंद डोलास, आनंद गायकवाड़, अष्टपाल गवई और 4 अन्य लोगों ने हाथ-पैर बांधकर बुरी तरह पीटा। आरोप यह है कि वे उसे तब तक लकड़ी के डंडे से मारते रहे, जब तक उसकी सांस की डोर नहीं टूटी। मारने के बाद आरोपी उसके शव को छिपाने की फिराक में भी थे। जांच में सामने आया है कि इस वारदात का मुख्य आरोपी सागर खरात पूर्व पार्षद गणपत खरात का बेटा है। गंभीर रूप से घायल मनोज को घाटी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ऐसे सामने आया वारदात का वीडियो

मारपीट का वीडियो आरोपियों में से किसी ने अपने फोन से तैयार किया और उसे मृतक मनोज के बड़े भाई को अनजान नंबर से भेज दिया गया। इसके बाद वह वीडियो लेकर पुलिस स्टेशन गया और सिडको थाने में आठ लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को अभी तक गिरफ्तार कर लिया है।

बढ़ेगी इंडियन नेवी की ताकत : आईएनएस वागशीर मुंबई से लॉन्च

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के मझगांव डॉक्स से स्कॉरपीन यानी कलवारी क्लास की सबमरीन आईएनएस वागशीर को प्रोजेक्ट-75 के तहत आज लॉन्च किया गया। बेहद आधुनिक नेविगेशन और ट्रैकिंग सिस्टम्स से लैस यह एक डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन है। इसमें कई घातक हथियार लगे हैं, जो आने वाले समय में समुद्र में इंडियन नेवी की ताकत को बढ़ाने का काम करेंगे। प्रोजेक्ट-75 के तहत अभी तक 5 आधुनिक पनडुब्बियों को देश के समुद्र की रक्षा में तैनात किया गया है। आईएनएस वागशीर इस प्रोजेक्ट की आखिरी पनडुब्बी थी। एक साल तक इसका समुद्री परीक्षण होगा और सब कुछ सही रहने पर इसे इंडियन नेवी में कमीशंड कर दिया जाएगा। समुद्र में शांति से चलने वाली इस सबमरीन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। पनडुब्बी को ऑपरेशन के समय हर परिस्थिति में संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस सबमरीन को मझगांव डॉक्स शिप बिल्डर्स ने बनाया है। यह पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के कांसेप्ट के तहत बनाई गई है। पानी की सतह पर इसकी स्पीड 20 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है, जबकि पानी के अंदर ये 37 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलती हैं।

सांगली में बुलडोजर से एटीएम मशीन उखाड़ ले गए चोर

सांगली। देश में कई राज्यों में जिस बुलडोजर का इस्तेमाल अपराधियों पर कार्रवाई के लिए हो रहा है, उसी बुलडोजर का इस्तेमाल कर कुछ चोर एक पूरी एटीएम मशीन को ही गायब कर ले गए। घटना महाराष्ट्र के सांगली जिले की है। बुलडोजर के सहारे एटीएम उड़ाने की यह घटना एटीएम कैमरे में कैद हुई है, जिसमें दरवाजा तोड़ बुलडोजर को एटीएम मशीन उखाड़ते हुए देखा जा सकता है। वारदात सांगली जिले के मिराज तालुका की है। शनिवार रात 12.30 बजे आगरा चौक पर लगे एक्सिस बैंक के एटीएम को चोर बुलडोजर की सहायता से उठा ले गए। जांच में सामने आया है कि चोरों ने पहले एक जेसीबी को पेट्रोल पंप से चुराया और फिर इसकी सहायता से एटीएम उड़ाया। उन्होंने नपूरे एटीएम रूम को भी तहस-नहस कर डाला है। जानकारी के मुताबिक, वारदात के समय एटीएम मशीन में 27 लाख रुपए थे।

कोरोना के बढ़ते ग्राफ के बीच मुंबई लोकल में 70 लाख के पार पहुंचा डेली यात्रियों का आंकड़ा

मुंबई। देशभर में कोरोना के मामलों में इजाफा होने लगा है। मुंबई में भी हल्की सी वृद्धि दिखाई दे रही है। दूसरी ओर लॉकडाउन के बाद पहली बार लोकल ट्रेनों में डेली यात्रियों का आंकड़ा भी 70 लाख के पार हुआ है। कोविड से पहले मुंबई लोकल में रोजाना 78-80 लाख यात्री सफर किया करते थे। यात्रियों की बढ़ती संख्या एक सुखद संकेत है, तो देशभर में कोरोना के मामलों का उठता हुआ ग्राफ प्रशासन की चिंता बढ़ा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि बमुश्किल लोग मुश्किल दौर से निकले हैं, कामकाजी संस्थान खुलने लगे हैं। ऐसे में अब और किसी तरह के प्रतिबंध झेलने के लिए शहर तैयार नहीं हैं। यहां मुंबई लोकल में अब रोजाना 70-72 लाख लोग यात्रा करने लगे हैं, वहीं बेस्ट और मेट्रो इत्यादि में रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की संख्या जोड़ दें, तो करीब एक करोड़ यात्री रोजाना मुंबई में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देश को तोड़ने और धार्मिक उन्माद फैलाने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

नवनीत राणा और रवि राणा जैसे देशद्रोहियों पर की गई कार्रवाई से सबक लें उपद्रवी

संवाददाता/सालिम आजाद

मथुबनी। भाजपा वाले तुम्हें तो वाकई शर्म नहीं है, नवनीत राणा और रवि राणा को महाराष्ट्र की अदालत ने वही सजा दिया है जिसका वो हकदार था, और राजद्रोह का चार्ज भी उसपर सही लगाया गया है, इसमें तुम्हें क्यों मिर्ची लगी है, अभी तो शुरूआत हुई है, जो बीज तुमने लगाई है उसका फल तुम्हें ही खाना है। जिस वक्त बेकसूर मुसलमानों को मरवाते हो, लिंचिंग करवाते हो, बेगुनाहों को जेल में डालते हो, NSA, UAPA और न जाने कौन कौन सी धारा लगाकर लम्बे समय के लिए जेल में डलवा देते हो उस वक्त तुम्हें ये नवनीत राणा नहीं नजर आती। समय

सबका आता है कांग्रेस की दोगली राजनिति के कारण तुम्हें भी मौका मिल गया, लेकिन अब बहुत हो गया। अब तुम भी तैयार ही रहो जो गत आज कांग्रेस का है तुम्हारा भी होगा। उक्त बातें बोलते हूए मुस्लिम बेदारी कारवां के अध्यक्ष नजरे आलम ने कहा के हम नवनीत राणा जैसे सभी देश द्रोहियों पर सरकार की ओर से न्यायालय की ओर से की गई कार्रवाई के लिए सरकार और न्यायालय का धन्यवाद करते हैं और कामना करते हैं के फर्जी राष्ट्रवादी और दंगाई भाजपा के दबाव में नहीं आकर ऐसी हर ताकत जो देश को तोड़ने और समाज में नफरत फैलाने वाली है उसे मुंहतोड़ जवाब देते रहेंगे।

डॉ. सिंह के होम्योपैथी इलाज से मरीज की जिंदगी हुई रोशन, अंडेदानी की गांठ मात्र 2 माह में ही हुई साफ

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। सदियों से चली आ रही होम्योपैथी पद्धति ने वर्तमान काल में फिर से अपना लोहा मनवाया है। जंहा होम्योपैथी के इलाज से एक बार फिर जटिल बीमारी को जड़ से उखाड़ा है। अंडाशय में गांठ के गम्भीर दर्द के साथ जिंदगी गुजार रहे एक मरीज के जीवन मे फिर से खुशियों की सौगात आई है।यह करिश्मा बीकानेर में होम्योपैथी के सुप्रसिद्ध डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने कर दिखाया है। डॉ भानु प्रताप सिंह ने होम्योपैथी पद्दति से मात्र 2 माह में मरीज के अंडेदानी की गांठ को जड़ से मिटा दिया है। इलाज के बाद मरीज की जांच रिपोर्ट में अंडेदानी की गांठ ना होने की खबर जब डॉ. भानुप्रताप ने सुनाई तो मरीज व उसके बच्चों सहित पति की खुशी का कोई ठिकाना नही था, सभी के चेहरे पर दिल को सुकून देने वाली मुस्कुराहट थी।हल्दीराम प्याऊ के पास स्थित संजीवनी होम्योपैथी में बीकानेर के जाने माने डॉ भानुप्रताप सिंह होम्योपैथी पद्दति से अब तक कई जटिल बीमारियों से कई मरीजो को नई

जिंदगी दे चुके है। डॉ भानुप्रताप सिंह ने बिना ऑपरेशन के अब तक कई लाइलाज बीमारियों को मात्र कुछ ही हफ़्तों में जड़ से मिटाया है। डॉ. भानुप्रताप सिंह ने बताया उनके पास 20 वर्षीय लाडनू निवासी संजू जो कि अंडेदानी में गांठ की गम्भीर बीमारी से पीड़ित थी, जिस समय मरीज को उनको क्लीनिक पर लाया गया उसकी स्थिति नाजुक थी। इस गम्भीर बीमारी से मरीज को लगातार पेट मे दर्द, अनियमित माहवारी, खून की कमी, कमजोरी, थकान जैसी समस्याओं से सामना करना पड़ रहा था। इस पर मरीज की 11 फरवरी 2022 को जांच करवाई । जांच रिपोर्ट में अंडेदानी की गांठ 4.73 सेंटीमीटर *5.41 सेंटीमीटर होने का पता चला। इस पर उन्होने मरीज का होम्योपैथी पद्दति का विश्वसनीय इलाज किया और मरीज की दूसरी जांच 23 अप्रैल 2022 को करवाई जिसमे अंडेदानी की गांठ गायब थी। जिसको सुनकर मरीज व उसके परिजनों की आंखों से खुशी के आंसू बह निकले । मरीज के परिजनों ने डॉ भानु प्रताप का दिल से शुक्रिया अदा करते हुए उन्हें ईश्वर का फरिश्ता बताया है। डॉ सिंह के अनुसार मरीज को अब नियमित माहमारी के साथ भविष्य में एक बार फिर से गर्भधारण कर मातृत्व सुख का आनंद ले सकेगी। डॉ. भानुप्रताप सिंह ने होम्योपैथी इलाज के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि ऑपरेशन का नाम सुनकर मरीज परेशान हो जाते हैं। वजह कि इसमें समय व धन तो खर्च होता ही है, शरीर को पीड़ा भी होती है। हालांकि कई बीमारियों में सर्जरी बेहद जरूरी होती है पर होम्योपैथी पद्दति से शुरूआत में बीमारी का इलाज हो जाए तो ऑपरेशन को टाला जा सकता है। किडनी या पित्ताशय के एक सीमा से कम आकार की पथरी, गर्भाशय के ट्यूमर, स्तन की गांठ, शरीर पर होने वाले मस्सों, चर्म रोग, एलर्जी, यहां तक की शुरूआती अवस्था में पता लगने वाला हार्निया भी इससे ठीक हो सकता है।

गाज़ियाबाद- गायों पर हो रहा अत्याचार, फिर भी क्यूँ चुप है सरकार?

संवाददाता/रविन्द्र आर्य

मेरठ। खादर मेरठ गंगा किनारे मे पशुओं के अवशेष मिलना एक आश्चर्यजनक बात है, 2016 में अमर उजाला अनुज मित्तल की रिपोर्ट मे पाया गया था, की पशुओ के अबशेष खेती मे प्रयोग होता है, ये बात समझ से बाहर है। जिसको विधायक संगीत सोम जी ने जोरो से उठाया था, अब गायों के शरीर को बेचना बहुत कॉमन बात हो गयी है, इंसान की चालाकी देखिए पहले तो आवारा पशुओं को गौशाला में बांध कर रखना, उसको इतना खाना देना जिससे वह बस जिंदा रह सके, फिर गायों के नाम से इमोशनल करके पब्लिक से पैसा बनाना, उसके बाद गायों का इंश्योरेंस कराना, जब मर जायेगी तब मारी हुई गाय से पैसा लेना, फिर मरे हुए शरीर को कसाईओ को बेचना जिसको हिंदू कम्युनिटी ही मुस्लिम कसाईयो या बाल्मीकि समाज को बेचती है। उससे 3 फायदा होता है गायों से इस चालक इंसान को, गायों का इंसोरेंस करवा कर, जला कर या चुरावा कर झूठी एफआईआर करा देना, अब यह गायों के साथ हो रहा है। धरती पर गायों पर इस अत्याचार से बुरा क्या हो सकता है? आप खुद

सोच लीजिए। गाय तो मर कर भी इंसान को पैसा दे रही है, तड़प कर भी पैसा देती है, जिन्दा रह कर भी पैसा देती है। फिर भी इंसान की पैसे की हवस नहीं जाती। करोना से इंसान मारा तो हाय हाय करने लागा, गायों का इतना बुरी तरह से जाला कर मारा जाता है। सब चुप रहते है कहाँ गए हिंदू अब ? फिर गायों को माता कहना बंद कर दो। और मुस्लिम को दोष देना बंद करो।

सबूत के नाम पर 11 सलेंडर मिला है, आप देखे गैस के सलेंडर जो फट गए, उसके बाद जो फटा नहीं, 11 सिलेंडर किसके नाम से थे, ये एक के नाम से थे, तो इतने उसको डोमेस्टिक उपयोग के मिले क्यों। अगर अलग-अलग नाम से थे तो इखट्ठे क्यों रक्खे थे। इखट्ठे रखने का क्या प्रयोजन था। अगर ये फट जाते सब गाय मर जाती, या ये खाली होंगे क्यों की जुग्गी झोपड़ी मे गैस रेफिलिंग होती थी। ये जांच का विषय है अभी तक किसी के खिलाफ केस दर्ज नहीं हुआ है, सबूत मिलने के बाद झोपड़ी के मालिक मोसिन खान निवासी अर्थाला के खिलाफ भी नहीं हुआ है, इसमे अगर सही जांच हो तो लापरवाही का केस (मोसिन खान) झोपड़ी का मालिक (सुरज पंडित) गायों का संचालक और (नगर निगम) ये सब लापरवाही मे 41 गायों के हत्यारे है, हम अब चुप नहीं रहेंगे, भूख हड़ताल से इसका बिरोध करेंगे। जब तक गायों की सही जांच नहीं होंगी। गायों के नाम पर यज्ञ करके आपके पाप कभी नष्ट नहीं होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिगरेट पीने के आदी हैं तो इन घरेलू तरीके से पाएं छुटकारा

धूम्रपान करना सेहत के लिए हानिकारक है। रोजाना सिगरेट पीने से व्यक्ति धीरे-धीरे मौत के दलदल में धसता चला जाता है। आज के समय में ना केवल बड़े बल्कि बच्चे भी धूम्रपान करने लगे हैं। एक रिसर्च में भी यह बात साबित हो चुकी है कि भारतीय लोग धूम्रपान करने में सबसे आगे होते हैं।

कुछ लोग अपने मन से या कई किसी के कहने पर इस गलत आदत को छोड़ने का निश्चय करते हैं। मगर वह चाहकर भी ऐसा नहीं कर पाते। अगर आप भी धूम्रपान करने की इस गलत आदत को छोड़ना चाहते हैं तो आज हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे।

1. शहद

जब भी तंबाकू खाने का दिल करें तो नींबू के रस में शहद मिलाकर पीएं। नींबू पानी पीने से नशे की तलब दूर हो जाएगी और नशीले पदार्थ भी आसानी से बाहर निकल जाएंगे।

2. अजवायन के बीज

सिगरेट की लत को छुड़वाने के लिए अजवायन के कुछ बीज लें। इनको मुंह में डालकर चबा लें। शुरू में थोड़ी दिक्कत होगी मगर बाद में सब ठीक हो जाएगा। लगातार अजवायन चबाने से धूम्रपान करने की लत दूर हो जाएगी।

3. इलायची, सौंफ और सूख

सौंफ, इलायटी, सूखे आंवले खाने से भी नशे की ललक दूर होती है। इन सब को मिलाकर एक पुड़िया बनाएं। अब जब भी सिगरेट पीने की इच्छा हो इनको धीरे-धीरे चबाते रहें। कुछ दिनों तक इसको चबाने से खट्टी डकार, भूख न लग्न, पेट फूलने से आराम मिलता है।

4. तुलसी

सिगरेट पीने की बजाए आप तुलसी की पत्तियों को चबाएं। हर सुबह और शाम लगभग 2-3 तुलसी की पत्तियां चबाने से सिगरेट पीने की लत छूट जाती है।

5. अजवायन

अजवायन भी धूम्रपान की लत को दूर करने में सहायक है। 50 ग्राम सौंफ एवं इतनी ही मात्र में अजवायन लेकर तवे पर भून ले। इसमें थोडा सा नींबू का रस एवं हल्का काला नमक डाल लें। अब एक डिब्बी में इसको डालकर जेब में रख लें। जब भी भूख लगे इसके कुछ दाने मुंह में डाल लें।

रात को सोने पहले अपनाएंगे ये टिप्स तो खूबसूरती में नहीं आएगा एक भी दाग

लड़कियां लंबे समय तक दिनभर खूबसूरत दिखने के लिए क्या कुछ नहीं करती। वह दिन को स्किन से लेकर हाथों-पैरों को खूबसूरत दिखाने के लिए कई तरह ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं बाद में जिसे रात को क्लीन न करने के कारण ये प्रॉडक्ट्स स्किन को नुकसान पंहुचाने लगते हैं। अगर आप चाहती है कि आपकी स्किन लंबे समय तक जवान दिखें तो रात को नैचुरल तरीके से स्किन, हाथों-पैरों को क्लीन करें। आज हम आपको ऐसे ब्यूटी टिप्स बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप जवान और खूबसूरत दिखेंगी।

1. स्किन को करें क्लीन

कुछ लड़कियों की खराब स्किन का कारण शाम को मेकअप को साफ न करना भी हो सकता है। अगर आप सुबह मेकअप करती है तो शाम को इसे क्लीन जरूर करें। इसके लिए नाइट क्रीम में कुछ बूंदे फेशियल ऑयल की डाल कर लगाएं या फिर कुछ बूंद एवोकैडो तेल, आर्गेन तेल या विटामिन ई तेल की लेकर चेहरे की मसाज करें। रात में ही स्किन ग्लो करने लगेगी।

2. झुर्रियों की समस्या होने पर

चेहरे की झुर्रियों की समस्या से राहत पाने के लिए सोने के समय सिल्क सिल्क पिलो का इस्तेमाल करें। इससे केवल झुर्रियों की समस्या ही नहीं राहत मिलेगी बल्कि यह तनाव को खत्म करके अच्छी नींद लेने में भी मदद करेगा।

3. डार्क सर्कल होने पर

डार्क सर्कल होने पर चेहरे की खूबसूरती फीकी पड़ने लगती है। इसे हटाने के लिए बादाम या कॉफी के तेल की कुछ बूंदे लेकर रिंग फिंगर के साथ आंखों की मसाज करें।

4. पिंपल्स से राहत पाने के लिए

रातभर में पिंपल्स के धब्बे हटाने के लिए टी ट्री ऑयल सबसे बढ़िया उपाय है। इसके लिए कॉटन स्वैप पर ऑयल लगाकर पिंपल्स पर लगाएं। यह बिना किसी साइड इफैक्ट के पिंपल्स की लालगी को गायब कर देंगे।

5. आइब्रो और आईलैश ग्रोथ

चेहरे को खूबसूरत दिखाने के लिए आइब्रो और आईलैश का घना-लंबा होना बहुत जरूरी है। अगर आपकी पतली आइब्रो चेहरे की खूबसूरती को फीका कर रही है तो इस पर रात को सोने से पहले कैस्टर ऑयल से मसाज करें। आईलैश पर तेल लगाने के लिए द-३स्त्र के साथ लैश लाइन पर कैस्टर ऑयल लगाएं।

6. होंठो को कोमल बनाने के लिए

होंठो को कोमल और गुलाबी बनाने के लिए साफ टूथब्रश के साथ डेड स्किन उतारें और फिर सोने से पहले होठों पर बादाम के तेल या शहद की लेयर लगा कर सोएं।

जानिये क्यों होता है थायराइड रोग और कितनी महत्वपूर्ण है थाइराइड ग्रंथि

आजकल की बिजी लाइफ स्टाइल और अस्वस्थ खान-पान के कारण थायराइड के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। थायरायड को कुछ लोग साइलेंट किलर मानते हैं क्योंकि इसके लक्षण बहुत देर में पता चलते हैं। आमतौर पर महिलाएं इस रोग का ज्यादा शिकार होती हैं। थायरायड ग्रंथि गर्दन में श्वास नली के ऊपर, वोकल कॉर्ड के दोनों ओर दो भागों में बनी होती है। ये तितली के आकार की होती है। थायराइड ग्रंथि थाइराक्सिन नामक हार्मोन बनाती है। इस हार्मोन से शरीर की एनर्जी, प्रोटीन उत्पादन एवं अन्य हार्मोन्स के प्रति होने वाली संवेदनशीलता कंट्रोल होती है। ये ग्रंथि शरीर में मेटाबॉलिज्म की ग्रंथियों को भी कंट्रोल करती है।

थायराइड के लक्षण

थायराइड की वजह से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है इसलिए इसकी वजह से शरीर में कई अन्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। थायराइड के सामान्य लक्षणों में जल्दी थकान, शरीर सुस्त रहना, थोड़ा काम करते ही एनर्जी खत्म हो जाना, डिप्रेशन में रहने लगना, किसी भी काम में मन न लगना, याद्दाश्त कमजोर होना और मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होना शामिल हैं। इन सभी समस्याओं को आम समझकर ज्यादातर लोग इग्नोर करते रहते हैं जो बाद में खतरनाक साबित हो सकता है और कई बार तो जानलेवा साबित हो सकता है।

थायराइड ग्रंथि क्या है

थायराइड कोई रोग नहीं बल्कि एक ग्रंथि का नाम है जिसकी वजह से ये रोग होता है।

लेकिन आम भाषा में लोग इस समस्या को भी थायराइड ही कहते हैं। दरअसल थायराइड गर्दन के निचले हिस्से में पाई जाने वाली एक इंडोक्राइन ग्रंथि है। ये ग्रंथि एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है। थायराइड ग्रंथि का नियंत्रण पिट्यूटरी ग्लैंड से होता है जबकि पिट्यूटरी ग्लैंड को हाइपोथेलमस कंट्रोल करता है। थायराइड ग्रंथि का काम थायरॉक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म नियंत्रित रहे। ये ग्रंथि दो प्रकार के हार्मोन बनाती है। एक टी3 जिसे ट्राई-आयोडो-थायरोनिन कहते हैं और दूसरी टी4 जिसे थायरॉक्सिन कहते हैं। जब थायराइज से निकलने वाले ये दोनों हार्मोन असंतुलित होते हैं तो थायराइड की समस्या हो जाती है।

कैसे होती है जांच

किसी शारीरिक समस्या के लिए जब आप डॉक्टर के पास जाते हैं तो सबसे पहले वो इसके लक्षणों द्वारा रोग की पहचान करता है। अगर डॉक्टर को थायराइड की संभावना समझ आती है, तो वो खून में टी3, टी4 और टीएसएच हार्मोन की जांच करता है। इसके अलावा अल्ट्रासाउंड के द्वारा थायराइड और एंटी थायराइड टेस्ट होता है। असल में थायरायड ग्रंथि में कोई रोग या वायरस नहीं होता है। शरीर में जब पिट्युटरी ग्लैंड ठीक तरह से काम नहीं करता तो थायरायड स्टिमुलेटिंग हार्मोन (टीएसएच) यानि थायरायड ग्रंथि को उत्तेजित करने वाला हार्मोन ठीक तरह से नहीं बन पाता और इसकी वजह से थायराइड से बनने वाले टी3 और टी 4 हार्मोन्स में असंतुलन आ जाता है।

बच्चे भी हो रहे हैं शिकार

आजकल थायराइड जैसी गंभीर बीमारी का शिकार कम उम्र के बच्चे भी हो रहे हैं जिसकी वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। इससे बचाव के लिए बच्चों को बचपन से ही नियमित व्यायाम, योग और प्रणायाम की आदत डालें। सिर्फ पढ़ते रहने, टीवी देखने, गेम खेलने या लेटे रहने के बजाय बच्चों को बाहर निकलने और थोड़ा खेलने के लिए प्रेरित करें। अगर बच्चा बचपन से शारीरिक मेहनत नहीं करेगा तो आगे चलकर उसे थायराइड, डाइबिटीज, ओबेसिटी, बल्ड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार बनना पड़ सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विवेक ओबेरॉय ने सालों बाद अपनी लव लाइफ पर किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के हैंडसम हंक एक्टर विवेक ओबेरॉय उन एक्टर्स में शुमार हैं, जो अपनी एक्टिंग और फिल्मों के साथ अपने लव अफेयर्स को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं। साथ ही खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के साथ रिलेशनशिप को लेकर विवेक ओबेरॉय की काफी खबरें सामने आई थी। दोनों का कम समय में ही ब्रेकअप हो गया था। विवेक की लव लाइफ काफी कंट्रोवर्शियल रही है। और अब अपने एक नए इंटरव्यू में विवेक ने अपनी लव लाइफ के एक्सपीरियंस पर खुलकर बात की है। एक खबर के अनुसार, विवेक ओबेरॉय ने कहा है कि रिलेशनशिप में खराब एक्सपीरियंस के बाद वो लाइफ में एक ऐसे फेज में आ गए थे, जब वो सिर्फ कैजुअल रिलेशनशिप ही चाहते थे। साथ विवेक ने ये भी कहा कि उन्होंने जितनी ज्यादा लड़कियों को डेट किया, लाइफ में खुद को उतना ही अकेला महसूस किया है। बता दें, सोशल मीडिया पर दिए एक खास इंटरव्यू में विवेक ओबेरॉय ने कहा है, लव रिलेशनशिप में एक समय मैंने खुद को बहुत ज्यादा नीचा महसूस किया। उस चीज ने मुझे बहुत ज्यादा चिड़चिड़ा और कड़वा बना दिया था। मैं सिर्फ कैजुअल रहना चाहता था और मैंने वैसा किया भी। उस रास्ते पर चलने के दौरान मैंने जितनी ज्यादा लड़कियों को डेट किया है तो वहीं, लाइफ में खुद को उतना ही अकेला पाया है। साथ ही आपको ये भी बता दें कि प्यार के खराब एक्सपीरियंस के बाद एक्टर विवेक ओबेरॉय अपनी लाइफ में अब काफी आगे बढ़ चुके हैं।

वरुण-आलिया फिर एक बार साथ आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं और इस खास मौके पर बॉलीवुड के गलियारों से एक खुशखबरी सामने आ रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म निर्माता शशांक खेतान ने अपनी एक बातचीत में इस सीरीज को अपनी फ्रेंचाइजी बनाने का वादा किया था और लगभग हर तीन साल में फिल्म के अगले पार्ट को रिलीज करने की बात भी कही थी। इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी और दूसरी साल 2017 में रिलीज की गई थी। हालांकि, महामारी के कारण, फिल्म निमार्ता इसका तीसरा पार्ट नहीं बना सके थे। लेकिन अब सामने आती रिपोर्ट्स की मानें तो जल्द ही बॉलीवुड की यह सफल तिकड़ी इस फिल्म की तीसरी किस्त के साथ जल्द वापसी करने वाले हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया, शशांक काफी समय से इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए वरुण और आलिया से संपर्क भी किया है। लेकिन दोनों कलाकारों ने अभी तक निर्देशक को डेट्स नहीं दी हैं। एक बार सब कुछ फाइनल हो जाने के बाद फिल्म तुरंत फ्लोर पर आ जाएगी। इन खबरों के सामने आते ही दोनों के फैंस काफी उत्सुक हो गए हैं और अब फिल्म की आधिकारिक घोषणा का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

सान्या मल्होत्रा ने किंग खान के साथ शुरू की इस एक्शन फिल्म की शूटिंग

आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में उनकी छोटी बेटी बबीता की किरदार निभाने वाली 'सान्या मल्होत्रा' ने अपनी दमदार एक्टिंग से बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ली है। वह आए दिन नए-नए प्रोजेक्ट साइन कर रही हैं। इन सबके बीच, ऐसी अफवाहें हैं कि वह एटली की अगली फिल्म में शाहरुख खान के साथ काम करेंगी। खैर, इसके बारे में कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खबरों के मुताबिक हाल ही में अभिनेत्री ने किंग खान के साथ एक हाई-ऑक्टेन स्टंट सीक्वेंस की शूटिंग की। इन दिनों सान्या मल्होत्रा का काफी बिजी शेड्यूल चल रहा है। वह गुनीत मोंगा की फिल्म और एटली की मूवी में शाहरुख खान के साथ नजर आने वाली हैं। अभी मध्य प्रदेश में मोंगा की फिल्म का एक हिस्सा पूरा करने के बाद अभिनेत्री जाहिर तौर पर मुंबई लौट आई और अगले दिन उन्होंने एटली की मूवी की शूटिंग शुरू कर दी। फिल्म के निर्देशक एटली ने हफ्ते भर के लिए हाई-ऑक्टेन स्टंट तैयार किए थे। हालांकि सान्या ने इससे पहले कभी एक्शन सीन नहीं किए है लेकिन उन्होंने इस फिल्म के लिए बंदूक चलाने के बेसिक तरीके सीख लिए हैं। जिससे उन्हें बंदूक चलाने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। जिससे उन्हें बंदूक चलाने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। एटली की इस अपकमिंग फिल्म में सुपरस्टार शाहरुख खान और सान्या मल्होत्रा दोनों को ही फैंस हाई-इंटेंसिटी स्टंट सीन करते देखने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले चार से पांच दिनों के लिए गन ट्रेनिंग सीखनी जरुरी होती है लेकिन अपने बिजी शेड्यूल के चलते एक्ट्रेस ऐसा नहीं कर पाई, इसलिए कैमरे के सामने बंदूक के साथ सीन करने से पहले उन्होंने कुछ घंटों तक काफी प्रैक्टिस की।